

Regarding demand for full fledged Statehood for Ladakh and Constitutional Safeguards under Sixth Schedule

श्री मोहम्मद हनीफ़ा (लद्दाख): मैडम, मैं पहली बार लद्दाख से चुनकर आया हूँ, जिसके लिए मैं लद्दाख की आवाम का शुक्रगुज़ार हूँ कि उन्होंने मुझे देश की सबसे बड़ी पंचायत में लद्दाख की नुमाइंदगी करने का मौका दिया है।

मैडम, एरिया के हिसाब से लद्दाख इस देश की सबसे बड़ी कांस्टिट्यूएन्सी है। स्ट्रैटेजिकली इसका महत्व हम सबको मालूम है, क्योंकि इसके एक तरफ से चाइना बॉर्डर है और दूसरी तरफ से पाकिस्तान बॉर्डर है। लद्दाख की आवाम बहुत ही अमन पसंद और भाइचारगी से रहने वाली आवाम है। हम सच्चे देशभक्त हैं। जब भी जरूरत पड़ी, तो हम देश के लिए कुर्बानी देने से पीछे नहीं हटे।

वर्ष 2019 में रियासत-ए-जम्मू कश्मीर को तकसीम करके लद्दाख को यूटी का दर्जा दिया गया। हालांकि, लद्दाख की आधी आबादी यूटी के खिलाफ थी, लेकिन उसके बावजूद वहां यूटी सेटअप हुई। यूटी सेटअप होने के बाद, जिन लोगों ने डिमांड की थी, वे भी इस यूटी में नाखुश हैं। जिस यूटी की डिमांड ये लोग कर रहे थे, वह यूटी यह नहीं थी। वे लोग यूटी-विद-लजिस्लेचर की डिमांड कर रहे थे। पिछले चार सालों से पूरे लद्दाख के लोग ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, आप अपने विषय को रखिए। आपको बोलते हुए एक मिनट से ऊपर का समय हो गया है।

? (व्यवधान)

श्री मोहम्मद हनीफ़ा : पूरे लद्दाख की आवाम चार डिमांड्स को लेकर एहतियाज पर है। ? (व्यवधान) वे लोग फुल-फ्लेज्ड स्टेटहुड और सिक्सथ शेड्यूल के अंदर कांस्टिट्यूशनल सेफगार्ड ? (व्यवधान) लद्दाख में 2019 के बाद पीएससी खत्म हुई। वहां अभी तक रिक्रूटमेंट सिस्टम बंद पड़ा है। ? (व्यवधान) वहां बेरोज़गारी काफी बढ़ी है। ? (व्यवधान) आवाम सिक्सथ शेड्यूल के अंदर कांस्टिट्यूशनल सेफगार्ड की डिमांड कर रही है। ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, श्री प्रवीण पटेल जी।

? (व्यवधान)

श्री मोहम्मद हनीफ़ा : लद्दाख में ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर ? (व्यवधान)

جناب محمد حنيفه (لداخ): ميڈم میں پہلی بار لداخ سے چُن کر آیا ہوں، جس کے لئے میں لداخ [کی عوام کا شکر گزار ہوں کہ انہوں نے مجھے ملک کی سب سے بڑی پنچایت میں لداخ کی نمائندگی کرنے کا موقع دیا ہے۔

ميڈم ايڙيے کے حساب سے لداخ اس ملک کی سب سے بڑی کانسٹیٹوینسی ہے۔ اسٹریٹیجیکلی اس کی اہمیت ہم سب کو معلوم ہے، کیونکہ اس کے ایک طرف چین کا بارڈر ہے اور دوسری طرف

پاکستان بارڈر ہے۔ لداخ کی عوام بہت ہی امن پسند اور بھائی چارگی سے رہنے والی عوام ہے۔ ہم سچے دیش بھکت ہیں۔ جب بھی ضرورت پڑی، تو ہم دیش کے لئے قربانی دینے سے پیچھے نہیں ہٹے۔

سال 2019 میں ریاست جموں کشمیر کو تقسیم کر کے لداخ کو یوٹی۔ کا درجہ دیا گیا۔ حالانکہ لداخ کی آدھی آبادی یوٹی۔ کے خلاف تھی، لیکن اس کے باوجود وہاں یوٹی۔ سیٹ اپ ہوئی۔ یوٹی۔ سیٹ اپ ہونے کے بعد جب لوگوں نے ڈیمانڈ کی تھی، وہ بھی اس یوٹی میں نا خوش ہیں۔ جس یوٹی۔ کی ڈیمانڈ یہ لوگ کر رہے تھے، وہ یوٹی۔ یہ نہیں تھی۔ وہ لوگ یوٹی۔ ود لیجسلیچر کی ڈیمانڈ کر رہے تھے، پچھلے چار سالوں سے پورے لداخ کے لوگ (مداخلت)۔

پورے لداخ کی عوام چار ڈیمانڈس کو لیکر احتجاج پر ہے (مداخلت) وہ لوگ فُل فلیج اسٹیٹ ہوڈ اور چھٹے شیڈیول کے اندر کانسٹیٹیوشنل سیف گارڈ (مداخلت) لداخ میں 2019 کے بعد پی۔ ایس۔ سی۔ ختم ہوئی۔ وہاں ابھی تک ریکروٹمینٹ سسٹم بند پڑا ہے۔ (مداخلت)۔ وہاں بے روزگاری کافی بڑی ہے۔ (مداخلت) عوام چھٹے شیڈیولڈ کے اندر کانسٹیٹیوشنل سیف گارڈ کی ڈیمانڈ کر رہے ہے۔ [مداخلت]

ماننیی سبھاپتی : شری پریوین پٹیل ؟ وپسٹیت نہی ۔

? (ویوڈھان)

ماننیی سبھاپتی : ماننیی سدسئ، شری دشن سینھ چوڈھی جی ۔

? (ویوڈھان)